>

Title: Levy of VAT on daily usable items by State Governments.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद): अध्यक्ष महोदय, सन् 2002 से वैट कर लगाये जाने की प्रक्रिया शुरू हुई और इस सम्मानित सदन में भी इस पर चर्चा हुआ थी। यह बिक्री कर और सरचार्ज आदि के स्थान पर लगाये जाने वाला कर है।...(व्यवधान)

* Not recorded

MR. SPEAKER: Please refer to the Central law.

श्री रामजीलाल सुमन : महत्वपूर्ण बात यह है कि पूरे देश में कर का ढांचा एक जैसा हो, यही इस वैट को लगाये जाने का मकसद था। श्री असीम दास, जो पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री हैं, उनकी अध्यक्षता में एक कमेटी बनी और कमेटी उसका एक मॉडल तैयार किया गया, जो विभिन्न राज्यों को भेजा गया और उनसे यह अपेक्षा की गई कि इस मॉडल के इर्द-गिर्द ही राज्य सरकारें वैट लगाने का काम करेंगी।

उत्तर प्रदेश में आज और कल वैट के खिलाफ बन्द रहा। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा कि एक दिसम्बर से उत्तर प्रदेश में वैट प्रस्तावित है, उत्तर प्रदेश के जो पड़ोसी राज्य हैं, दिल्ली, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड और राजस्थान, का वैट अलग है। उ0 प्र0 में सबसे पहले सर्वे होगा। उत्तर प्रदेश में जो वैट लगाया जा रहा है, उसकी प्रक्रिया बहुत जटिल है और सबसे अधिक अफसोस की बात यह है कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने जो वैट का प्रारूप भेजा था, उसको भारत सरकार ने बिना देखे अनुमोदित कर दिया है। जब वैट लगाने की बात शुरू हुई तब कुछ चीजों को चिन्हित किया गया था कि ये वैट के दायरे में रहेंगी और हमारी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी हुई जो चीजें हैं, वह वैट के दायरे से अलग रहेगी। मैं यह निवेदन कर रहा था कि कुछ चीजों को चिन्हित किया गया था, जो वैट के दायरे में रहेंगी और हमारी रोजमर्रा की जिंदगी की जो चीजें हैं, वे वैट के दायरे से मुक्त रहेंगी। कपड़े पर वैट, रोटी पर वैट, गेहूं पर वैट, कफन पर वैट, यह आज उत्तर प्रदेश में हो रहा है।

मैं आपके मार्फत निवेदन करना चाहूंगा कि यह बहुत गम्भीर मामला है। उत्तर प्रदेश के व्यापारियों में आक्रोश है। 90 फीसदी छोटे और लघु व्यापारी इसके खिलाफ हैं और उत्तर प्रदेश में इससे तनाव पैदा हो रहा है। वहां कल भी बन्द था और आज भी बन्द है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It is enough.

श्री रामजीलाल सुमन : उत्तर प्रदेश में बहुत तनाव है। हम भारत सरकार से अपेक्षा करेंगे कि भारत सरकार इसका संज्ञान ले और जो वैट लगाने जाने जो प्रारूप निश्चित हुआ है, जो मॉडल तैयार किया गया है, उसी के इर्द-गिर्द वैट लगाया जाये और भारत सरकार ने जो वैट लगाने के लिए अनुमोदित किया है, उसे वापस लेना चाहिए।

MR. SPEAKER: Chaudhary Bijendra Singh – not present; Shri Ganesh Singh – not present. Shri Syed Shahnawaz Hussain. You have to refer to the second matter about shortage of power.